

Strictly Confidential: (For Internal and Restricted use only)
Senior School Certificate Examination - 2020

HMJ/1

Marking Scheme – ECONOMICS
SUBJECT CODE: 030 PAPER CODE –58/5/1

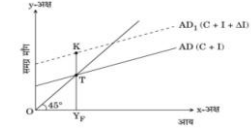
General Instructions: -

1. You are aware that evaluation is the most important process in the actual and correct assessment of the candidates. A small mistake in evaluation may lead to serious problems which may affect the future of the candidates, education system and teaching profession. To avoid mistakes, it is requested that before starting evaluation, you must read and understand the spot evaluation guidelines carefully. **Evaluation is a 10-12 days mission for all of us. Hence, it is necessary that you put in your best efforts in this process.**
2. Evaluation is to be done as per instructions provided in the Marking Scheme. It should not be done according to one's own interpretation or any other consideration. Marking Scheme should be strictly adhered to and religiously followed. **However, while evaluating, answers which are based on latest information or knowledge and/or are innovative, they may be assessed for their correctness otherwise and marks be awarded to them.**
3. The Head-Examiner must go through the first five answer books evaluated by each evaluator on the first day, to ensure that evaluation has been carried out as per the instructions given in the Marking Scheme. The remaining answer books meant for evaluation shall be given only after ensuring that there is no significant variation in the marking of individual evaluators.
4. Evaluators will mark(\checkmark) wherever answer is correct. For wrong answer 'X' be marked. Evaluators will not put right kind of mark while evaluating which gives an impression that answer is correct and no marks are awarded. **This is most common mistake which evaluators are committing.**
5. If a question has parts, please award marks on the right-hand side for each part. Marks awarded for different parts of the question should then be totaled up and written in the left-hand margin and encircled. This may be followed strictly.
6. If a question does not have any parts, marks must be awarded in the left-hand margin and encircled. This may also be followed strictly.
7. If a student has attempted an extra question, answer of the question deserving more marks should be retained and the other answer scored out.

8. No marks to be deducted for the cumulative effect of an error. It should be penalized only once.
9. A full scale of marks 0-80 has to be used. Please do not hesitate to award full marks if the answer deserves it.
10. Every examiner has to necessarily do evaluation work for full working hours i.e. 8 hours every day and evaluate 20 answer books per day in main subjects and 25 answer books per day in other subjects (Details are given in Spot Guidelines).
11. Ensure that you do not make the following common types of errors committed by the Examiner in the past:-
 - Leaving answer or part thereof unassessed in an answer book.
 - Giving more marks for an answer than assigned to it.
 - Wrong totaling of marks awarded on a reply.
 - Wrong transfer of marks from the inside pages of the answer book to the title page.
 - Wrong question wise totaling on the title page.
 - Wrong totaling of marks of the two columns on the title page.
 - Wrong grand total.
 - Marks in words and figures not tallying.
 - Wrong transfer of marks from the answer book to online award list.
 - Answers marked as correct, but marks not awarded. (Ensure that the right tick mark is correctly and clearly indicated. It should merely be a line. Same is with the X for incorrect answer.)
 - Half or a part of answer marked correct and the rest as wrong, but no marks awarded.
12. While evaluating the answer books if the answer is found to be totally incorrect, it should be marked as cross (X) and awarded zero (0) Marks.
13. Any unassessed portion, non-carrying over of marks to the title page, or totaling error detected by the candidate shall damage the prestige of all the personnel engaged in the evaluation work as also of the Board. Hence, in order to uphold the prestige of all concerned, it is again reiterated that the instructions be followed meticulously and judiciously.
14. The Examiners should acquaint themselves with the guidelines given in the Guidelines for spot Evaluation before starting the actual evaluation.
15. Every Examiner shall also ensure that all the answers are evaluated, marks carried over to the title page, correctly totalled and written in figures and words.

The Board permits candidates to obtain photocopy of the Answer Book on request in an RTI application and also separately as a part of the re-evaluation process on payment of the processing charges.

प्रश्न.	अपेक्षित उत्तर	अंक
	खण्ड-क समष्टि अर्थशास्त्र	
1	<p>प्रश्न: एक अर्थव्यवस्था में साख उपलब्धता को कम करने के लिए, केन्द्रीय बैंक -----। (सही विकल्प का चयन करें)</p> <p>(क) खुले बाज़ार में प्रतिभूतियाँ क्रय कर सकता है। (ख) खुले बाज़ार में प्रतिभूतियाँ विक्रय कर सकता है।</p> <p>(ग) आरक्षित अनुपात में कमी कर सकता है। (घ) रेपो रेट में कमी कर सकता है।</p> <p>उत्तर: (ख) खुले बाज़ार में प्रतिभूतियाँ विक्रय कर सकता है।</p>	1
2	<p>प्रश्न: सरकार द्वारा विगत वर्षों के ऋण पर ब्याज भुगतान ----- घाटे में सम्मिलित होता है। (रिक्त स्थान की पूर्ति सही उत्तर द्वारा करें)</p> <p>उत्तर: राजकोषीय/राजस्व (दोनों में से किसी भी उत्तर पर अंक दिये जायें)</p>	1
3	<p>प्रश्न: उल्लेख करें, कि निम्नलिखित कथन सत्य है अथवा असत्य: “माल-सूची (inventory) एक स्टॉक चर है।”</p> <p>उत्तर: सत्य</p>	1
4	<p>प्रश्न: निम्नलिखित में से क्या एक 'साधन भुगतान नहीं' हैं? (सही विकल्प का चयन करें)</p> <p>(क) रक्षा कर्मियों को मुफ्त वर्दी (ख) संसद सदस्यों का वेतन</p> <p>(ग) इमारत के मालिक को दिया गया किराया (घ) विद्यार्थियों को दी गई छात्रवृत्ति</p> <p>उत्तर: (घ) विद्यार्थियों को दी गई छात्रवृत्ति</p>	1
5	<p>प्रश्न: अल्परोज़गार की परिस्थिति में निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प सही नहीं है? (सही विकल्प का चयन करें)</p> <p>(क) समग्र माँग और समग्र पूर्ति बराबर होते हैं। (ख) अर्थव्यवस्था में अतिरिक्त उत्पादन क्षमता मौजूद होती है।</p> <p>(ग) संसाधनों का पूर्णतम तथा कुशलतम प्रयोग नहीं होता है। (घ) संसाधनों का पूर्णतम तथा कुशलतम प्रयोग होता है।</p> <p>उत्तर: (घ) संसाधनों का पूर्णतम तथा कुशलतम प्रयोग होता है।</p>	1
6	<p>प्रश्न: उल्लेख करें, कि निम्नलिखित कथन सत्य है अथवा असत्य: 'सभी वित्तीय संस्थाएँ बैंकिंग संस्थाएँ होती हैं।'</p> <p>उत्तर: असत्य</p>	1
7	<p>प्रश्न: संयुक्त कारक आय, जिसे कारक आय के विभिन्न घटकों में पृथक नहीं किया जा सकता ----- कहलाती है।</p> <p>(रिक्त स्थान की पूर्ति सही उत्तर द्वारा करें)</p> <p>उत्तर: स्वनियोजितो की मिश्रित आय</p>	1
8	<p>प्रश्न: यदि सीमांत बचत प्रवृत्ति (MPS) 0.25 तथा निवेश में प्रारंभिक परिवर्तन ₹ 250 करोड़ है, तो आय में अंतिम परिवर्तन _____ होगा। (सही विकल्प का चयन करें)</p> <p>(क) ₹ 1,000 करोड़ (ख) ₹ 1,200 करोड़ (ग) ₹ 500 करोड़ (घ) ₹ 3,500 करोड़</p> <p>उत्तर: (क) ₹ 1,000 करोड़</p>	1
9	<p>प्रश्न: 'सार्वजनिक वस्तुओं' को परिभाषित करें।</p> <p>उत्तर: सार्वजनिक वस्तुएं वे वस्तुएं होती हैं, जो सामूहिक रूप से उपभोग की जाती हैं। इन वस्तुओं के एक व्यक्ति द्वारा उपभोग करने से दूसरों के लिए उपलब्ध पूर्ति में कमी नहीं आती और लोगों को उनके उपभोग से रोका नहीं जा सकता है।</p>	1
10	<p>प्रश्न: निवल घरेलू स्थायी पूंजी निर्माण + स्टॉक में परिवर्तन = -----। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति करें)</p> <p>उत्तर: निवल घरेलू पूंजी निर्माण</p> <p>अथवा</p> <p>प्रश्न: जब मौद्रिक सकल घरेलू उत्पाद (GDP) ₹ 840 करोड़ है तथा कीमत सूचकांक 120 हो, तो वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (GDP) ----- होगा। (सही विकल्प द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।)</p> <p>(क) ₹ 700 करोड़ (ख) ₹ 900 करोड़ (ग) ₹ 800 करोड़ (घ) ₹ 500 करोड़</p> <p>उत्तर: (क) ₹ 700 करोड़</p>	1

<p>11</p>	<p>प्रश्न: 'उत्पादको को दिया गया उपदान, हस्तांतरण भुगतान की तरह माना जाना चाहिए।' दिए गए कथन का उचित कारण सहित समर्थन अथवा खंडन करें।</p> <p>उत्तर: दिए गए कथन का समर्थन किया जाता है क्योंकि, उपदान एक हस्तांतरण भुगतान है। उपदान सरकार द्वारा उत्पादकों को प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता है, जो कि सरकार के समाज कल्याण के उद्देश्यों को पूरा करती है। उपदान से वस्तुओं व सेवाओं के प्रवाह में कोई वृद्धि नहीं होती ना ही यह मूल्यवृद्धि में कोई योगदान होता है।</p> <p style="text-align: right;">(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)</p> <p style="text-align: center;">(कारण न दिया गया हो अथवा कारण गलत हो तो अंक प्रदान ना किये जायें)</p> <p style="text-align: center;">अथवा</p> <p>प्रश्न: एक द्वि-क्षेत्रक अर्थव्यवस्था में आय के चक्रीय प्रवाह की व्याख्या करें।</p> <p>उत्तर: द्वि-क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था में उत्पादक (फर्म) तथा गृहस्थ- क्षेत्र को शामिल किया जाता है। कारक सेवाओं के स्वामी के रूप में गृहस्थ क्षेत्र, फर्म को कारक सेवाएं प्रदान करते हैं। जिनकी सहायता से फर्म वस्तुओं तथा सेवाओं का उत्पादन करती हैं तथा भुगतान के रूप में गृहस्थ क्षेत्र को कारक भुगतान (किराया, मजदूरी, ब्याज तथा लाभ) करता है। गृहस्थ क्षेत्र इस प्राप्त आय को फर्म द्वारा उत्पादित वस्तुओं तथा सेवाओं के उपभोग पर व्यय करता है। जिससे उपभोग व्यय के रूप में आय गृहस्थ क्षेत्र से फर्म की ओर प्रवाहित होती है और आय का चक्रीय प्रवाह पूरा करती है।</p> <p style="text-align: right;">(एक साथ मूल्यांकित किया जाए) (चित्र की आवश्यकता नहीं है)</p>	<p>3</p> <p>3</p>																		
<p>12</p>	<p>प्रश्न: बाज़ार कीमत पर सकल मूल्य वृद्धि की गणना करें :</p> <table border="1" data-bbox="181 730 1101 1012"> <thead> <tr> <th>क्र. सं.</th> <th>विवरण</th> <th>राशि (₹ लाख में)</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>(i)</td> <td>मूल्यहास</td> <td>20</td> </tr> <tr> <td>(ii)</td> <td>घरेलू बिक्री</td> <td>200</td> </tr> <tr> <td>(iii)</td> <td>स्टॉक में परिवर्तन</td> <td>(-)10</td> </tr> <tr> <td>(iv)</td> <td>निर्यात</td> <td>10</td> </tr> <tr> <td>(v)</td> <td>एकल प्रयोग निर्माता वस्तुएँ</td> <td>120</td> </tr> </tbody> </table> <p>उत्तर: बाजार कीमत पर सकल मूल्य वृद्धि = (ii) + (iii) + (iv) - (v)</p> <p style="text-align: center;">= 200 + (-)10 + 10 - 120</p> <p style="text-align: center;">= ₹ 80 लाख</p>	क्र. सं.	विवरण	राशि (₹ लाख में)	(i)	मूल्यहास	20	(ii)	घरेलू बिक्री	200	(iii)	स्टॉक में परिवर्तन	(-)10	(iv)	निर्यात	10	(v)	एकल प्रयोग निर्माता वस्तुएँ	120	<p>1 ½</p> <p>1</p> <p>½</p>
क्र. सं.	विवरण	राशि (₹ लाख में)																		
(i)	मूल्यहास	20																		
(ii)	घरेलू बिक्री	200																		
(iii)	स्टॉक में परिवर्तन	(-)10																		
(iv)	निर्यात	10																		
(v)	एकल प्रयोग निर्माता वस्तुएँ	120																		
<p>13</p>	<p>प्रश्न: "आय की असमानता को कम करने में कराधान एक प्रभावशाली उपकरण है।" दिए गए कथन का उचित कारणों द्वारा औचित्य सिद्ध करें।</p> <p>उत्तर: यह कथन उचित है, कि आय की असमानता को कम करने में कराधान एक प्रभावशाली उपकरण है। सरकार अधिक आय अर्जित करने वाले व्यक्तियों पर ऊंची दर से कर (प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष कर) लगाकर उनकी प्रयोज्य आय कम कर सकती है। सरकार करों से प्राप्त राजस्व को निर्धन व्यक्तियों की प्रयोज्य आय बढ़ाने हेतु उनके द्वारा प्रयोग की जाने वाली वस्तुओं व सेवाओं की (निशुल्क तथा उपदान प्राप्त कीमतों पर) आपूर्ति कर सकती है। (एक साथ मूल्यांकित किया जाए) (कारण न दिया गया हो अथवा कारण गलत हो तो अंक प्रदान ना किये जायें)</p>	<p>4</p>																		
<p>14</p>	<p>प्रश्न: दिए गए चित्र में, "KT" अंतराल क्या प्रदर्शित करता है ? इस परिस्थिति के समाधान के लिए किन्हीं दो राजकोषीय उपायों का उल्लेख व चर्चा कीजिए।</p>  <p>उत्तर "KT" स्फीतिक अंतराल को प्रदर्शित करता है।</p> <p>स्फीति अंतराल को नियंत्रण करने के लिए दो राजकोषीय उपाय है -</p> <ol style="list-style-type: none"> करों में वृद्धि - स्फीतिक अंतराल पर नियंत्रण करने के लिए सरकार करों में वृद्धि करती है। यह जनता की क्रय शक्ति को कम करती है, जिसके कारण अर्थव्यवस्था में समग्र मांग कम हो सकती है जो इसे समग्र पूर्ति के बराबर लाती है। सरकारी व्यय में कमी - स्फीतिक अंतराल पर नियंत्रण करने के लिए सरकार अपने गैरविकासात्मक खर्चों में कमी करती है। यह जनता की क्रय शक्ति में कमी लाती है। जिसके कारण अर्थव्यवस्था में समग्र मांग की कमी होती है, जो इसे समग्र पूर्ति के बराबर लाती है। 	<p>1</p> <p>1 ½</p> <p>1 ½</p>																		

	<p>दृष्टिबाधित छात्रोंके लिए:</p> <p>प्रश्न: अपस्फीतिक अंतराल से क्या तात्पर्य है? अपस्फीतिक अंतराल की स्थिति को ठीक करने के किन्हीं दो मौद्रिक उपयों को दर्शाइए।</p> <p>उत्तर: अपस्फीतिक अंतराल ऐसी स्थिति है जिसमें समग्र मांग पूर्ण रोजगार संतुलन पर आवश्यक समग्र पूर्ति से कम होती है अपस्फीतिक अंतराल को नियंत्रित करने के दो मौद्रिक उपाय निम्न है।</p> <p>(i) रेपो दर में कमी</p> <p>(ii) खुले बाजार में प्रतिभूतियों का क्रय (कोई अन्य मान्य उपाय - उचित व्याख्या सहित)</p> <p>अथवा</p> <p>प्रश्न: समझाइए कि, अधिमांग को नियंत्रित करने में 'रिवर्स रेपो रेट' किस प्रकार सहायता करता है?</p> <p>उत्तर: रिवर्स रेपो दर व्याज की वह दर है, जिस पर व्यवसायिक बैंक अल्पकाल के लिए अपने अतिरिक्त कोषों को केंद्रीय बैंक के पास जमा करता है। अधिमांग की स्थिति के समाधान हेतु केंद्रीय बैंक रिवर्स रेपो दर में वृद्धि करता है, जिससे व्यवसायिक बैंक अपने कोषों को केंद्रीय बैंक में जमा कराने हेतु प्रोत्साहित होता है। परिणामतः व्यवसायिक बैंक की साख निर्माण हेतु कोष उपलब्धता घट जाती है। अतः उपभोग व्यय तथा निवेश व्यय घटता है जिससे समग्र मांग में कमी होती है। (एक साथ मूल्यांकित किया जाए) (अन्य उचित व्याख्या को भी अंकित किया जाय)</p>	<p>1</p> <p>1 ½</p> <p>1 ½</p> <p>4</p>
<p>15</p>	<p>प्रश्न: केन्द्रीय बैंक के "सरकार के बैंक, सलाहकार तथा एजेंट" कार्य की व्याख्या करें।</p> <p>उत्तर: सरकार के बैंकर के रूप में, केंद्रीय बैंक सरकार की प्राप्तिओं को स्वीकार करता है तथा उसे भुगतान करता है। बैंकर के रूप में, केंद्रीय बैंक सरकार को विभिन्न उद्देश्यों के लिए ऋण भी प्रदान करता है। केंद्रीय बैंक एजेंट तथा सलाहकार के रूप में सरकार के लिए सार्वजनिक ऋण का प्रबंध करता है और आर्थिक मामलों में सरकार को आवश्यकता अनुसार सलाह भी देता है। (पूरा एक साथ मूल्यांकन किया जाए)</p>	<p>4</p>
<p>16</p>	<p>प्रश्न: (क) 'घरेलू वस्तुओं और सेवाओं की माँग' तथा 'वस्तुओं और सेवाओं की घरेलू माँग' की अवधारणाओं में विभेद करें।</p> <p>उत्तर: (क) घरेलू वस्तुओं और सेवाओं की मांग से अभिप्राय वस्तुओं तथा सेवाओं की घरेलू मांग तथा विदेशों द्वारा की गई है मांग के योग से है, जबकि; वस्तुओं और सेवाओं की घरेलू मांग से अभिप्राय घरेलू स्तर पर घरेलू वस्तुओं व सेवाओं के साथ विदेशी वस्तुओं व सेवाओं की मांग के जोड़ से है।</p> <p>प्रश्न: (ख) 'चालू खाते के घाटे' तथा 'चालू खाते के अतिरेक' में अंतर स्पष्ट करें।</p> <p>उत्तर: (ख) चालू खाता घाटा उस स्थिति में उत्पन्न होता है जब दृश्य मदों, अदृश्य मदों तथा चालू हस्तांतरण से होने वाली विदेशी विनिमय प्राप्तियाँ, ऐसी ही मदों के लिए किए गए विदेशी विनिमय भुगतान से कम होती हैं, जबकि; चालू खाता अतिरेक उस स्थिति में उत्पन्न होता है जब दृश्य मदों, अदृश्य मदों तथा चालू हस्तांतरण से होने वाली विदेशी विनिमय प्राप्तियाँ ऐसी ही मदों के लिए किए गए विदेशी विनिमय भुगतान से अधिक होती हैं।</p>	<p>1 ½</p> <p>1 ½</p> <p>1 ½</p> <p>1 ½</p>
<p>17</p>	<p>प्रश्न: दिए गए आँकड़ों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दें :</p> <p>(i) नियोजित निवेश = ₹ 100 करोड़ (ii) $C = 50 + 0.50Y$</p> <p>(क) आय के संतुलन स्तर की गणना करें।</p> <p>(ख) आय के संतुलन स्तर पर बचत के मूल्य की गणना करें।</p> <p>(ग) निवेश गुणक के मूल्य की गणना करें।</p> <p>उत्तर: (क) आय का संतुलन स्तर - $AD = Y = C+I$</p> <p>इसलिए, $Y = (50 + 0.5Y) + 100$</p> <p>$Y - 0.5 Y = 150$</p> <p>$Y = 150/0.5 = ₹ 300$ करोड़.</p> <p>अतः आय के संतुलन स्तर = ₹ 300 करोड़.</p> <p>(ख) आय के संतुलन स्तर पर बचत: $S = (-) c + (1-b)Y$</p> <p>$S = (-)50 + (0.5)(300)$</p> <p>$S = ₹100$ करोड़ (अन्य कोई मान्य विधि को भी अंकित किया जाय)</p>	<p>½</p> <p>½</p> <p>½</p> <p>½</p> <p>1</p> <p>½</p> <p>½</p>

	<p>(ग) निवेश गुणक (K) $= \frac{1}{1-MPC}$ $K = \frac{1}{1-0.5}$ $K = 2$</p> <p style="text-align: center;">अथवा</p> <p>प्रश्न: निम्न परिस्थितियों में समायोजन तंत्र की कार्यप्रणाली की चर्चा कीजिए:</p> <p>(क) यदि समग्र आपूर्ति की तुलना में समग्र माँग अधिक हो।</p> <p>उत्तर: (क) यदि प्रत्याशित समग्र माँग (AD), प्रत्याशित समर्थ समग्र पूर्ति (AS) से अधिक है तो इसका अर्थ है कि उत्पादक जितने उत्पादन की योजना बना रहे हैं, क्रेता उससे अधिक खरीदने की योजना बना रहे हैं। अतः उत्पादकों के स्टॉक वांछनीय स्तर से कम हो जाएंगे। परिणाम स्वरूप, उत्पादक अधिक उत्पादन करेंगे जिससे रोजगार के स्तर एवं आय में वृद्धि होगी। यह प्रक्रिया तब तक जारी रहेगी जब तक प्रत्याशित समग्र पूर्ति (AS), अप्रत्याशित समग्र माँग (AD) के बराबर ना हो जाए।</p> <p>(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)</p> <p>(ख) यदि प्रत्याशित बचत (Ex-Ante Savings) की तुलना में प्रत्याशित निवेश (Ex-Ante Investment) कम हो।</p> <p>(ख) प्रत्याशित निवेश यदि प्रत्याशित बचत से कम हो तो इसका अर्थ है, कि उत्पादक जितना उत्पादन करने की योजना बना रहे हैं, उपभोक्ता उससे कम वस्तुएं खरीदने की योजना बना रहे हैं। जिससे अप्रत्याशित अनबिके माल का स्टॉक उत्पादकों के पास उपलब्ध होगा। अतः उत्पादक भविष्य में उत्पादन व रोजगार में कमी करेंगे और यह प्रक्रिया तब तक जारी रहेगी जब तक प्रत्याशित निवेश व प्रत्याशित बचत बराबर ना हो जाए।</p> <p style="text-align: right;">(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)</p>	<p>1 1/2 1/2</p> <p>3</p> <p>3</p>
	खंड- ख भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास	
18	<p>प्रश्न: 'आयात प्रतिस्थापन' की नीति का लक्ष्य ----- उद्योगों को संरक्षण देना था। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति करें)</p> <p>उत्तर: घरेलू</p>	1
19	<p>प्रश्न: निम्नलिखित में से क्या धारणीय विकास की एक रणनीति के तौर पर प्रयोग नहीं की जाती है? (सही विकल्प का चयन करें)</p> <p>(क) गोबर गैस का प्रयोग (ख) सौर ऊर्जा का प्रयोग (ग) तापीय ऊर्जा का प्रयोग (घ) जलीय ऊर्जा का प्रयोग</p> <p>उत्तर: (ग) तापीय ऊर्जा का प्रयोग</p>	1
20	<p>प्रश्न: मातृ मृत्यु दर ----- (चीन/पाकिस्तान) में अधिक है। (सही विकल्प से रिक्त स्थान की पूर्ति करें।)</p> <p>उत्तर: पाकिस्तान</p>	1
21	<p>प्रश्न: 'विपणित अधिशेष' का अर्थ लिखें।</p> <p>उत्तर: विपणित अधिशेष कुल कृषि उत्पाद का वह भाग है जो किसी कृषक द्वारा अपनी उपभोग आवश्यकताओं के पूर्ण हो जाने के पश्चात बाजार में बेचा जाता है।</p> <p style="text-align: center;">अथवा</p> <p>प्रश्न: 'सहायिकी' का अर्थ लिखें।</p> <p>उत्तर: सहायिकी/उपदान सरकार द्वारा प्रदान किया गया ऐसा मौद्रिक फायदा है जो उत्पादको तथा उपभोक्ताओं को बाजार कीमत से कम कीमत पर बेचने तथा खरीदने के योग्य बनाती है।</p>	1
22	<p>प्रश्न: उल्लेख करें, कि निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य: "2018 की मानव विकास रिपोर्ट के अनुसार भारत 180वीं पायदान पर था।"</p> <p>उत्तर: असत्य</p>	1
23	<p>प्रश्न: यदि एक निर्माण स्थल के प्रबंधक ने दो मजदूरों को दैनिक मजदूरी आधार पर काम दिया है तो, इस प्रकार की स्थिति को----- (औपचारिक/अनौपचारिक) क्षेत्रक के अंतर्गत सम्मिलित किया जाएगा। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति करें)</p> <p>उत्तर: अनौपचारिक</p>	1
24	<p>प्रश्न: निम्नलिखित में से किस राष्ट्र ने सन् 1991 में आर्थिक सुधारों की प्रक्रिया का आरंभ किया था? (सही विकल्प का चयन करें)</p> <p>(क) पाकिस्तान (ख) भारत (ग) रूस (घ) चीन</p> <p>उत्तर: (ख) भारत</p>	1

25	<p>प्रश्न: _____ (शहरी/ग्रामीण) क्षेत्र में भारतीय श्रम बल के घटक के रूप में महिला श्रमिकों का अनुपात अधिक पाया जाता है।</p> <p>उत्तर: ग्रामीण</p>	1									
26	<p>प्रश्न: उल्लेख करें, कि निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य।</p> <p>“GATT की स्थापना सन् 1923 में 48 सदस्य राष्ट्रों के साथ हुई थी।”</p> <p>उत्तर: असत्य</p>	1									
27	<p>प्रश्न: चीनी गणराज्य के संदर्भ में 'GLF' का अर्थ ----- है। (सही विकल्प का चयन करें)</p> <p>(क) Giant Leap Forward (ख) Great Lead Forum (ग) Great Leap Forward (घ) Giant Lead Forum</p> <p>उत्तर: (ग) Great Leap Forward</p>	1									
28	<p>प्रश्न: भारत में 'श्रमशक्ति के अनौपचारिकरण' की संकल्पना को संक्षेप में समझाएँ।</p> <p>उत्तर: हाल के वर्षों में भारत, श्रम शक्ति के औपचारिक क्षेत्र से अनौपचारिक क्षेत्र में बढ़ने की प्रवृत्ति का साक्षी रहा है। वह प्रक्रिया जिसमें कुल श्रमबल में अनौपचारिक श्रमिकों का अनुपात बढ़ता है, श्रम शक्ति का अनौपचारिककरण कहलाता है। सरकार ने अनौपचारिक क्षेत्र के आधुनिकीकरण का सूत्रपात किया है और अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों को भी सामाजिक सुरक्षा देने की पहल की है।</p> <p style="text-align: right;">(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)</p> <p style="text-align: center;">अथवा</p> <p>प्रश्न: भारत में ग्रामीण विकास के समक्ष प्रस्तुत किन्हीं तीन चुनौतियों का उल्लेख करें।</p> <p>उत्तर: भारत में ग्रामीण विकास के तीन चुनौतियां निम्न है</p> <p>(i) मानव संसाधनों का विकास</p> <p>(ii) आधुनिक संरचना का विकास</p> <p>(iii) निर्धनता निवारण के उपाय</p> <p style="text-align: right;">(किसी अन्य मान्य बिंदु को भी अंकित किया जाय)</p>	3 1 1 1									
29	<p>प्रश्न : मान्य कारणों द्वारा भारत व चीन के दिये गये आंकड़ों की तुलना व विश्लेषण करें :</p> <table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <thead> <tr> <th>राष्ट्र</th> <th>जनसंख्या वृद्धि की वार्षिक दर (2015)</th> <th>लिंगानुपात (प्रति हजार पुरुष)</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>भारत</td> <td>1.2%</td> <td>929</td> </tr> <tr> <td>चीन</td> <td>0.5%</td> <td>941</td> </tr> </tbody> </table> <p>स्रोत : विश्व विकास संकेतक, 2015.</p> <p>उत्तर: (i) दिए गए आंकड़े दर्शाते हैं कि, चीन ने 1970 के दशक में 'एक शिशु नीति' जैसे कुछ सख्त उपायों की सहायता से अपनी जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर को नियंत्रित किया है। ये उपाय चीन के लिए जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने में मददगार सिद्ध हुए। भारत की जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर 1.2% है, जो की चीन जिसकी वार्षिक वृद्धि दर 0.5% से लगभग दुगुनी है।</p> <p>(ii) दोनों देशों का सामाजिक ढांचा लगभग समान है। लड़कों को प्राथमिकता देने के कारण दोनों ही देशों का लिंगानुपात कम तथा पक्षपातपूर्ण है। जहां भारत में यह अनुपात 929 महिला प्रति 1000 पुरुष पर खड़ा है, वहीं चीन में भी यह अनुपात 941 महिला प्रति 1000 पुरुष है। दोनों देश इस अनुपात के स्तर पर एक दुसरे से बहुत दूर नहीं है।</p>	राष्ट्र	जनसंख्या वृद्धि की वार्षिक दर (2015)	लिंगानुपात (प्रति हजार पुरुष)	भारत	1.2%	929	चीन	0.5%	941	2 1
राष्ट्र	जनसंख्या वृद्धि की वार्षिक दर (2015)	लिंगानुपात (प्रति हजार पुरुष)									
भारत	1.2%	929									
चीन	0.5%	941									
30	<p>प्रश्न: 1991 के आर्थिक सुधारों के अंतर्गत "वित्तीय क्षेत्रक" में भारत सरकार द्वारा लिए गए किन्हीं दो प्रमुख कदम उल्लेख करें।</p> <p>उत्तर: आर्थिक सुधारों के अंतर्गत "वित्तीय क्षेत्रक" में भारत सरकार द्वारा लिए गए दो प्रमुख कदम निम्न है-</p> <p>(क) भारतीय रिजर्व बैंक की भूमिका में परिवर्तन- सरकार द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक को इस क्षेत्र के नियंत्रक की भूमिका की बजाएँ उसे वित्तीय क्षेत्र के एक सहायक की भूमिका तक सीमित कर दिया गया है। इसका अर्थ है, कि वित्तीय क्षेत्रक अधिक स्वायत्त (रिजर्व बैंक से सलाह लिए बिना ही कई मामलों में अपने निर्णय लेने में स्वतंत्रता) हो जाएगा।</p> <p>(ख) निजी बैंकों का उदय- भारत सरकार की सुधार नीतियों ने वित्तीय क्षेत्रक में भारतीय और विदेशी निजी बैंकों को भी पर्दापण का अवसर दिया है।</p> <p style="text-align: right;">(अन्य संबंधित उचित बिंदु पर भी अंक दिए जाएं)</p>	2 2									

31	<p>प्रश्न: स्वतंत्रता पूर्व भारत की व्यावसायिक संरचना की किन्हीं दो प्रमुख विशेषताओं का संक्षेप में वर्णन करें।</p> <p>उत्तर: स्वतंत्रता पूर्व भारत की व्यावसायिक संरचना की दो प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित हैं:</p> <ol style="list-style-type: none"> कृषि क्षेत्र का प्रभुत्व- कुल कार्यबल का लगभग तीन चौथाई भाग प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कृषि पर निर्भर होने के कारण, कृषि क्षेत्र में कार्यबल का सबसे अधिक भाग कार्यरत था। क्षेत्रीय विषमताओं में वृद्धि- विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में वृद्धि के कारण भारत के कुछ क्षेत्रों (मद्रास, बम्बई और बंगाल आदि सूबों) में कृषि क्षेत्र पर कार्यबल की निर्भरता में आनुपातिक कमी आई थी। (या अन्य कोई उपयुक्त विशेषता) <p style="text-align: center;">अथवा</p> <p>प्रश्न: भारतीय अर्थव्यवस्था के योजना उद्देश्य के तौर पर 'समानता के साथ संवृद्धि के चयन के औचित्य का संक्षेप में वर्णन करें।</p> <p>उत्तर: समानता के साथ संवृद्धि - संवृद्धि का अर्थ है, देश में वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन तथा उत्पादकता में वृद्धि जबकि समानता का अर्थ है आय व धन की असमानता में कमी है। किसी देश में उच्च संवृद्धि दर के बावजूद अधिकांश लोग गरीब हो सकते हैं। अतः यह सुनिश्चित करना आवश्यक है, कि आर्थिक संवृद्धि के लाभ देश के निर्धन लोग को भी सुलभ हो। भारत जैसे देश में समानता के साथ संवृद्धि अत्यंत आवश्यक है। (पूरा एक साथ अंकित किया जाय) (किसी अन्य उचित व्याख्या को भी अंकित किया जाय)</p>	2 2 4
32	<p>प्रश्न: भारत में विद्युत क्षेत्र के समक्ष आने वाली किन्हीं दो समस्याओं पर चर्चा करें।</p> <p>उत्तर: भारतीय विद्युत क्षेत्र में दो चुनौतियाँ हैं -</p> <ol style="list-style-type: none"> भारत की विद्युत उत्पादन क्षमता अपर्याप्त है और उसका भी पूर्ण उपयोग नहीं हो पाता। भारत में शक्ति सयंत्रों की कार्यात्मक क्षमता जिसे प्लांट लोड फैक्टर (PLF) के रूप में दर्शाया जाता है, बहुत कम है। राज्य विद्युत बोर्ड संचरण और वितरण की हानि, बिजली की दोषपूर्ण कीमतें और अन्य अकुशलताओं से त्रस्त हैं। <p style="text-align: center;">(किसी अन्य उचित बिंदु के लिए भी अंक प्रदान किये जायें)</p>	2 2
33	<p>प्रश्न: (क) स्पष्ट करें कि 'मानव पूंजी में निवेश' किस प्रकार एक अर्थव्यवस्था की संवृद्धि में सहयोग देता है।</p> <p>उत्तर: (क) मानव पूंजी में निवेश अर्थव्यवस्था की संवृद्धि में निम्न सहयोग देता है-</p> <ol style="list-style-type: none"> सामान्यतः शिक्षित, प्रशिक्षित तथा स्वस्थ श्रमबल की उत्पादकता तुलनात्मक रूप से अशिक्षित, अप्रशिक्षित व अस्वस्थ श्रमबल से अधिक होती है जिससे अर्थव्यवस्था की उत्पादन क्षमता में वृद्धि होती है। मानव पूंजी में निवेश अर्थव्यवस्था में नवीन अविष्कारों नवचारों तथा तकनीकी सुधारों को प्रोत्साहित करता है जिससे देश की उत्पादन क्षमता व कुल उत्पादन वृद्धि होती है। (या अन्य कोई दो मान्य बिंदु) <p>प्रश्न: (ख) 'कृषि विपणन' के अर्थ का उल्लेख करें।</p> <p>(ख) कृषि विपणन- कृषि विपणन एक प्रक्रिया है जिसमें उत्पादित कृषि पदार्थों का संग्रह, भंडारण, प्रसंस्करण, परिवहन, बैंकिंग, वर्गीकरण और वितरण किया जाता है।</p>	2 2 2
34	<p>प्रश्न: भारतीय स्वतंत्रता से अब तक कार्यान्वित किए गए निर्धनता निवारण कार्यक्रमों के परिणामों की समीक्षा करें।</p> <p>उत्तर: स्वतंत्रता के पश्चात निर्धनता निवारण के लिए निर्धारित किए गए कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप निर्धनों की निरपेक्ष संख्या तथा उनके प्रतिशत में कमी आई। कुछ राज्यों में यह अनुपात निर्धनता के राष्ट्रीय औसत से भी कम हो गया है। इन कार्यक्रमों के बावजूद भी देश में अभी भी निर्धनता, भुखमरी, कुपोषण, निरक्षरता और बुनियादी सुविधाओं का अभाव निरंतर बना हुआ है जिसके कारण निम्नलिखित हैं-</p> <ol style="list-style-type: none"> परिसंपत्तियों के स्वामित्व में कोई मौलिक परिवर्तन ना होना। भूमि और अन्य परी संपत्तियों के वितरण की विषमताओं के कारण प्रत्यक्ष निर्धनता निवारण कार्यक्रमों का लाभ प्रायः गैर निर्धन वर्ग के लोग ही उठा पाए। इन कार्यक्रमों के लिए आवंटित संसाधन नितांत ही अपर्याप्त रहे। निर्धनता निवारण कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए उत्तरदायी अधिकारियों में उपयुक्त चेतना का अभाव तथा उनका अपर्याप्त प्रशिक्षण। (किसी अन्य उचित व्याख्या को भी अंकित किया जाय) (पूरा एक साथ अंकित किया जाय) <p style="text-align: center;">अथवा</p>	6

<p>प्रश्न: (क) 'ग्रामीण भारत के लिए उज्ज्वला योजना प्रमुख परिवर्तक रही है।' ऐसे किन्हीं तीन गैर-पारम्परिक ईंधनों का उल्लेख करें जिनके प्रयोग को कम करने की दिशा में उज्ज्वला योजना कार्य कर रही है।</p> <p>उत्तर: (क) ऊर्जा के पारंपरिक स्रोत वायु प्रदूषण के कारण बनते हैं इसलिए सरकार ने ग्रामीण भारत के लिए मुफ्त एलपीजी गैस सिलेंडर (स्वच्छ ईंधन) वितरण योजना द्वारा उज्ज्वला योजना की शुरुआत की है जो ग्रामीण गृहस्थों के लिए प्रमुख परिवर्तक रही है।</p> <p>तीन पारंपरिक ईंधन जिनका प्रयोग उज्ज्वला योजना के कारण कम हुआ है-</p>	<p>1 1 1</p>
<p style="padding-left: 40px;">(i) कृषि अवशेष और सूखा गोबर।</p> <p style="padding-left: 40px;">(ii) जलाने की लकड़ी।</p> <p style="padding-left: 40px;">(iii) कोयला।</p> <p style="text-align: right;">(अन्य कोई उचित उदाहरण)</p> <p>प्रश्न: (ख) "अर्थशास्त्रियों का मानना है कि इच्छित परिणामों को प्राप्त करने के लिए भारत को शिक्षा पर कम से कम GDP का 6% व्यय करना चाहिए।" दिए गए कथन का औचित्य मान्य कारणों द्वारा सिद्ध करें।</p> <p>उत्तर: (ख) दिया गया कथन उचित है ऐसा 1964-65 के शिक्षा आयोग द्वारा अनुमोदित किया गया है। वर्तमान परिदृश्य में सरकार अपने व्यय का केवल 4% भाग ही शिक्षा पर व्यय कर रही है। शिक्षा पर व्यय मानव पूंजी निर्माण का एक महत्वपूर्ण भाग है। यदि सरकार अपने कुल व्यय का 6% शिक्षा पर व्यय करें तो इससे शिक्षित व कुशल श्रमबल की उपलब्धता में वृद्धि होगी जिससे उत्पादन तथा आर्थिक समृद्धि बढ़ जाएगी।</p> <p style="text-align: center;">(किसी अन्य उचित व्याख्या को भी अंकित किया जाय) (पूरा एक साथ अंकित किया जाय)</p> <p style="text-align: center;">(आंकड़े केवल उत्तर के समर्थन के लिए दिए गए हैं। आंकड़ें नहीं देने पर अंक न काटे जाएं)</p>	<p>3</p>